Ministry of Culture
Government of India

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

पल्लवी प्रशांत होळकर
सचिव

Pallavi Prashant Holkar
Secretary

Press Release

Cultural Exchange Programme

New Delhi, 12th January 2026. Sahitya Akademi organized an Indo-Russian Writers' Meet on 12 January 2026 at its Third Floor Conference Hall, Rabindra Bhawan, New Delhi. A six-member delegation from Publishing House OGI participated in the programme. Prof. Rawail Singh chaired the programme. From the Russian side Ms. Alena Karimova, Ms. Yaroslava Pulinaovich, Sri Roman Senchin, Sri Ilya Kochergin, Sri Bagomedov Musa Rasulovich and Ms. Irina Kraeva participated while Ms. Kshama Sharma. Dr. Sukrita Paul Kumar, Sri Devendra Choubey, Sri Balram and Sri Rajkumar Gautam have participated in the programme from the Indian side. Dr. N. Suresh Babu, Deputy Secretary, welcomed the writers with Angvastram. Dr Madhav Kaushik, President, Sahitya Akademi, who joined the programme virtually, said that Indo-Russia friendship has been an all-weather friendship and there has been a longstanding tradition of translation between both the countries. He also thanked Sri Sonu Saini, the translator and interpreter for his efforts.

The Russian writers expressed their joy on visiting India, as most of them were visiting India for the first time, and shared that India and Indian culture is widely admired in Russia. They also shared that Indian literature is still appreciated in Russia and read with enthusiasm. They expressed their wish for further exchange of literature between the two countries through the medium of translation. The Indian writers also expressed how Russian literature has been a part of their literary journey. Prof. Abhay Maurya, former Vice Chancellor of Central University of English and Foreign Languages was also present during the programme. The programme was convened by Dr. Shanmukhananda, Deputy Secretary, and he thanked all for making the programme a grand success.

- Pallavi Prashant Holkar

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-23386626-28, फैक्स : +91-11-23382428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-23386626-28, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

Ministry of Culture
Government of India

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

पल्लवी प्रशांत होळकर
सचिव

Pallavi Prashant Holkar
Secretary

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी के सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम में शामिल हुए रूस के लेखक भारतीय लेखकों के साथ हुआ संवाद

नई दिल्ली, 12 जनवरी 2026। साहित्य अकादेमी के सभाकक्ष में आज सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत रूस से पधारे 6 लेखकों ने भारतीय लेखकों से संवाद किया। रूस से पधारे लेखक थे – सुश्री एलेना करीमोवा, सुश्री यारोस्लावा पुलिनोविच, श्री रोमन सेन्चिन, श्री इल्या कोचेरगिन, श्री बगोमेदोव मूसा रसूलविच और सुश्री इरीना क्राएवा। इनके साथ संवाद में शामिल थे – रवेल सिंह, सुकृता पॉल कुमार, बलराम, देवेंद्र चौबे, क्षमा शर्मा एवं राजकुमार गौतम। कार्यक्रम की अध्यक्षता रवेल सिंह ने की। साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष कार्यक्रम में ऑनलाइन उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के उपसचिव प्रशासन ने सभी अतिथि लेखकों का स्वागत अंगवस्त्रम एवं साहित्य अकादेमी से प्रकाशित पुस्तकें भेंट करके किया। अपने वक्तव्य में साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने रूस से पधारे सभी अतिथि लेखकों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि रूस और भारत की दोस्ती प्रतिदिन मजबूत होती जा रही है और इसमें सबसे बड़ी भूमिका दोनों देशों के लेखकों की है। भारत और रूस का दशकों पुराना यह सिलसिला आज भी लगातार इसीलिए कायम है कि यह रिश्ता राजनैतिक न होकर साहित्यिक है। आगे उन्होंने कहा कि दोनों देशों के साहित्य ने एक दूसरे को प्रभावित तो किया ही है बल्कि प्रेरित भी किया है। यह रिश्ता अनुवाद के जरिये और मजबूत किया जाना जरूरी है। रूस से पधारे यह लेखक पब्लिशिंग हाउस ओजीआई के प्रतिनिधि मंडल के सदस्य थे। जिसमें कुछ बाल साहित्यकार भी थे। सभी ने भारत के प्रति अपने प्यार और सम्मान को जताते हुए बताया कि भारत का अध्यात्म और यहाँ का प्यार तथा टैगोर से लेकर प्रेमचंद तक का साहित्य उन्हें बेहद प्रभावित करता है। रूसी लेखकों ने भारत आकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनमें से ज्यादातर पहली बार भारत आए हैं। रूस में भारत और भारतीय संस्कृति को बहुत पसंद किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि रूसी में भारतीय साहित्य की आज भी सराहना की जाती है और उसे उत्साह से पढ़ा जाता है। उन्होंने अनुवाद के माध्यम से दोनों देशों के बीच साहित्य के और आदान–प्रदान की इच्छा व्यक्त की। भारतीय लेखकों ने भी बताया कि कैसे रूसी साहित्य उन सभी की साहित्यिक यात्रा का हिस्सा रहा है। उन्होंने रूस की नई पीढ़ी पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर प्रश्न पूछे. कार्यक्रम के दौरान सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेस के पूर्व कुलपति प्रो. अभय मौर्य सहित कई अन्य महत्त्वपूर्ण लेखक, अनुवादक मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन उप सचिव डॉ. षण्मुखानंद ने किया और उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के सोनू सैनी सहित सभी को धन्यवाद दिया।

– पल्लवी प्रशांत होळकर